राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) पाठ्यचर्या की रूपरेखा पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

1. **क्या " पाठ्यचर्या में भाषा" एक सैद्धांतिक या व्यावहारिक पाठ्यक्रम होगा?**

उत्तर. "पाठ्यचर्या में भाषा" शीर्षक वाले इस पाठ्यक्रम में अधिकतर व्यावहारिक जानकारियां होंगी और मूल्यांकन आंतरिक होगा। इसमें सेमिनार, पुस्तकालय से चिंतनशील पठन, भाषा सहित विभिन्न स्कूली विषयों की पाठ्य पुस्तकों का विश्लेषण, अध्यापक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) और स्कूलों में कक्षा अवलोकन, संचार कौशल आदि शामिल हो सकते हैं।

2. **क्या शिक्षण और विषयों को समझना नामक पाठ्यक्रम वैकल्पिक होगा? क्या हम सभी से यह अपेक्षा करते हैं कि वे सभी विषयों को समझें?**

उत्तर: शिक्षण और विषय को समझना कोई वैकल्पिक पाठ्यक्रम नहीं है। यह अपेक्षा की जाती है कि सभी छात्र-शिक्षक विद्यालय स्तर पर शिक्षण और विषयों की प्रकृति और विकास की समझ विकसित करें।

3. **बीएड में एक शैक्षणिक विषय सुझाया जाता है और दूसरा अन्य वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के साथ इष्टतम होता है। यह आवश्यक है कि बीएड माध्यमिक के लिए स्कूल स्तर पर दो शैक्षणिक विषयों की आवश्यकता है। केवल केवीएस/एनवीएस में ही ऐसा हो सकता है, जहाँ राज्यों की तुलना में कुछ टीजीटी तैनात हैं। लेकिन पूरे देश में एक माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक द्वारा कम से कम दो विषय पढ़ाए जाते हैं। ऐसे संदर्भ में बीएड के लिए पाठ्यचर्या की रूपरेखा में एक शैक्षणिक विषय का सुझाव क्यों दिया जाता है? वरिष्ठ माध्यमिक (सीनियर सेकेंडरी) स्तर पर एक शिक्षक (पीजीटी) को केवल एक विषय पढ़ाने का सुझाव दिए जाने की आवश्यकता है।**

उत्तर: यह सच है कि माध्यमिक स्तर पर केवल एक शैक्षणिक विषय के अध्ययन का सुझाव दिया गया है। वैकल्पिक विषय के रूप में दूसरे शैक्षणिक विषय का प्रावधान है। तथापि, संबंधित राज्य की जनशक्ति आवश्यकता और भर्ती नीतियों के अनुरूप विश्वविद्यालय दो शैक्षणिक विषयों का अध्ययन अनिवार्य बनाने के लिए स्वतंत्र हैं।

4. **बीएड कार्यक्रम में स्कूल इंटर्नशिप के 20 सप्ताहों में से कितने सप्ताह कक्षा शिक्षण के लिए समर्पित किए जाने चाहिए?**

उत्तर: स्कूल इंटर्नशिप में 4 सप्ताह स्कूल आधारित गतिविधियों के लिए समर्पित होंगे और 16 सप्ताह शिक्षण अभ्यास और शिक्षण अभ्यास से जुड़ी गतिविधियों और स्कूल की अन्य गतिविधियों के लिए समर्पित होंगे। इस अवधि के दौरान प्रशिक्षुओं से पूर्णकालिक शिक्षक के रूप में काम करने की अपेक्षा की जाती है।

5. **शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में संकाय की योग्यता के अंतर्गत शैक्षणिक विषयों में पीएचडी की आवश्यकता होती है। इसका क्या अर्थ है? क्या यह भौतिकी, जीव विज्ञान, इतिहास, भूगोल आदि, जैसे शैक्षणिक विषयों या विज्ञान शिक्षा, भाषा शिक्षा, गणित शिक्षा आदि के लिए प्रयुक्त विषयगत सामग्री है?**

उत्तर: बीएड कॉलेज के प्रधानाचार्य के लिए आवश्यक योग्यताओं में से एक शिक्षा में या संस्थान में पढ़ाए जाने वाले किसी शैक्षणिक विषय में पीएचडी है। शैक्षणिक विषय, संबंधित अध्यापक शिक्षा संस्थान की बीएड पाठ्यचर्या में उपलब्ध शिक्षण विषयों से संबंधित है।

6. बीएड पाठ्यचर्या में किसी अभ्यर्थी को कुल मिलाकर अधिकतम कितने अंक या वेटेज दिए जा सकते हैं? यह पाठ्यचर्या की रूपरेखा से स्पष्ट नहीं है।

उत्तर. बीएड कार्यक्रम में अधिकतम अंक या वेटेज स्वायत्त निकाय के रूप में विश्वविद्यालय पर निर्भर करता है। एक पूर्ण पाठ्यक्रम में 100 अंक हो सकते हैं और आधे पाठ्यक्रम में 50 अंक आबंटित किए जा सकते हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पाठ्यचर्या की रूपरेखा में यथा निर्दिष्ट बीएड कार्यक्रम में 1300 अंक शामिल हैं।

7. सूक्ष्म शिक्षण (माइक्रोटीचिंग) कौशल का शिक्षण बीएड पाठ्यचर्या की रूपरेखा में उपलब्ध नहीं है। इसके क्या कारण है?

उत्तर. यह सही है कि पाठ्यचर्या की रूपरेखा में सूक्ष्म शिक्षण शामिल नहीं है। इसके स्थान पर अन्य पहलू शामिल हैं। तथापि, यदि विश्वविद्यालय द्वारा निर्णय लिया जाता है, तो पाठ्यक्रम में सूक्ष्म शिक्षण को शामिल किया जा सकता है।

8. क्या बीएड में कोई अभ्यर्थी किसी ऐसे शैक्षणिक विषय का चयन कर सकता है, जिसे उसने स्नातक स्तर पर नहीं पढ़ा हो? (यथा कोई भाषा (अंग्रेजी), जिसे स्नातक स्तर पर वैकल्पिक विषय के रूप में नहीं पढ़ा गया हो)। क्या इसे कोई छात्र बीएड में शैक्षणिक विषय के रूप में चुन सकता है?

उत्तर. बीएड में, किसी व्यक्ति को शैक्षणिक विषय का चयन करना होता है, जिसमें उसने वैकल्पिक विषय के रूप स्नातक किया हो। तथापि, विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रम की संरचना के आधार पर विश्वविद्यालय स्तर पर भी इसका निर्णय लिया जा सकता है।

9. बीएड में दृश्य और प्रदर्शन कला शिक्षा के लिए न्यूनतम आवश्यकताएं (विषय वस्तु) क्या हैं?

उत्तर. पाठ्यचर्या की रूपरेखा में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार विषय विशेषज्ञ इसका निर्णय ले सकते हैं।

10. क्या एनसीटीई 15 अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों (टीईपी) के लिए पाठ्यचर्या का मॉडल विकसित करने जा रही है? क्या पाठ्यचर्या का मॉडल विकसित करने के बाद, एनसीटीई उनसे संबंधित पाठ्य सामग्री विकसित करने की योजना बना रही है?

उत्तर: इस समय एनसीटीई 15 अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों (टीईपी) पर सुझावात्मक पाठ्यक्रम विकसित करने की प्रक्रियाधीन है। पाठ्य सामग्री विकसित करने के बारे में निर्णय बाद में लिया जाएगा। डीएलएड, बीएड और एमएड के लिए सुझावात्मक पाठ्यक्रम बहुत जल्द उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, विश्वविद्यालयों सहित प्रत्येक संबद्धता प्रदान करने वाले निकाय को पाठ्यक्रम को यथावत अपनाने या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीएस) मानदंडों के अनुसार स्वीकार्य सीमा तक परिवर्तनों के साथ अपने संदर्भों को अपनाने की स्वतंत्रता है।

11. स्कूल की तर्कसंगत समझ, जैसे पहलू के मूल्यांकन के संकेतक क्या हैं?

उत्तर. 'स्कूल की आलोचनात्मक समझ' के मूल्यांकन के संकेतक विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। तथापि, इनमें निम्नलिखित के बारे में समझ शामिल हो सकती है।

i. स्कूल प्रणाली के अलग प्रकार के कार्य
ii. किसी अन्य शिक्षक द्वारा कक्षा का प्रबंधन करने की प्रणाली (यदि शिक्षक अवकाश पर हो)।
iii. आंतरिक और बाह्य मूल्यांकन के प्रबंधन की प्रणाली
iv. स्कूल के रिकॉर्ड और रजिस्टर बनाए रखने की प्रणाली

v. पाठ्यचर्या गतिविधियों आदि के प्रबंधन की प्रणाली।

12. बीएड पाठ्यचर्या की रूपरेखा में नवोन्मेषी विद्यालयों का दौरा करने का सुझाव दिया गया है। नवोन्मेषी विद्यालय के न्यूनतम संकेतक क्या हैं, ताकि अध्यापक शिक्षा संस्थान (टीईआई) निकटवर्ती निर्दिष्ट विद्यालय का दौरा कर सकें?

उत्तर: नवोन्मेषी स्कूल से तात्पर्य ज्यादातर उन स्कूलों से है, जो स्कूल प्रणाली के विभिन्न पहलुओं को अधिक प्रभावी और अभिनव तरीकों से प्रबंधित करते हैं। स्कूल प्रणाली के लिए कुछ भी विशेष नवोन्मेषी पद्धति के रूप में संदर्भित किया जा सकता है। टीईआई की जिम्मेदारी है कि वह स्कूल से उचित दूरी के भीतर ऐसे स्कूलों के बारे में जागरूक रहे।

13. स्व-वित्तपोषित अध्यापक शिक्षा संस्थान (टीईआई) में प्रधानाचार्य और शिक्षक गुणवत्तापूर्ण अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम शुरु करने के लिए स्वतंत्र नहीं हैं। क्या एनसीटीई द्वारा ऐसे टीईआई के उपयोग के लिए गुणवत्तापूर्ण अध्यापक शिक्षा के कार्यान्वयन योग्य न्यूनतम संकेतक विकसित किए जा सकते हैं?

उत्तर: गुणवत्तापूर्ण अध्यापक शिक्षा के लिए संकेतक पहले ही विनियम 2014 और कि पाठ्यचर्या की रूपरेखा में प्रस्तुत किए जा चुके हैं। फिर भी समय-समय पर एनसीटीई और संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा निरीक्षण के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण अध्यापक शिक्षा में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

14. क्या विभिन्न अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों में अध्यापक-प्रशिक्षक और छात्र-शिक्षक का अनुपात भिन्न होता है?

उत्तर: सभी अध्यापक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) में अध्यापक-शिक्षक और छात्र-शिक्षक का अनुपात लगभग एक समान है। यदि कुछ भिन्नताएं हैं, तो वे विभिन्न कार्यक्रमों की प्रकृति और आवश्यकताओं के कारण हैं।

15. क्या स्कूल के साथ संबद्धता (अटैचमेंट) कार्यक्रम के संबंध में स्कूलों और स्कूल बोर्डों के लिए कोई पुस्तिका या दिशानिर्देश का प्रावधान है?

उत्तर. अभी तक एनसीटीई द्वारा स्कूलों और स्कूल बोर्डों के लिए इंटर्नशिप पर कोई पुस्तिका या दिशानिर्देश विकसित नहीं किए गए हैं। लेकिन इस संबंध में एक प्रस्ताव है।

16. पाठ्यचर्या में भाषा, 'शैक्षिक अध्ययन', 'लिंग अध्ययन' पर पाठ्यक्रम की सामग्री और इसकी प्रकृति क्या होनी चाहिए और इन क्षेत्रों में मूल्यांकन क्या होना चाहिए।

उत्तर: इन पाठ्यक्रमों की सामग्री मुख्यतः सेमिनार, निर्दिष्ट कार्यों, पाठ्य पुस्तक विश्लेषण, लाइब्रेरी अध्ययन पर आधारित चिंतनशील लेखन, संचार सिद्धांत आदि के अलावा सैद्धांतिक जानकारी पर आधारित है। मूल्यांकन का तरीका ग्रेड, जांचसूची, स्क्रिप्ट मूल्यांकन, सेमिनार मूल्यांकन आदि का उपयोग करके छात्र गतिविधियों के अवलोकन द्वारा किया जाएगा।

17. 'विज्ञान का शिक्षाशास्त्र' के लिए अध्यापक प्रशिक्षकों की भर्ती कैसे की जाएगी, जिसमें भौतिक विज्ञान और जैविक विज्ञान दोनों शामिल हैं?

उत्तर: यदि इन विषयों को अलग-अलग शैक्षणिक पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जाता है, तो इस उद्देश्य के लिए दो अलग-अलग विज्ञान शिक्षाशास्त्र शिक्षकों (एक जैव विज्ञान से और दूसरा भौतिक विज्ञान से) की भर्ती की जा सकती है। तथापि, यदि विज्ञान शिक्षाशास्त्र पर केवल एक पाठ्यक्रम का प्रावधान है, तो किसी भी स्कूल विज्ञान विषय में स्नातकोत्तर डिग्री रखने वाला व्यक्ति पात्र होगा।

18. छात्रों को सप्ताह में 35-36 घंटे व्यस्त रखना निर्धारित है। एमएड में यह लगभग सैद्धांतिक और प्रायोगिक कार्य के 30-36 क्रेडिट के बराबर है। लेकिन प्रत्येक सेमेस्टर में 20 से 25 क्रेडिट होते हैं। पुनः सेमेस्टर ब्रेक के दौरान प्रायोगिक गतिविधियों के लिए कुछ क्रेडिट का उपयोग निर्धारित है। ऐसा लगता है कि सेमेस्टर के दौरान सभी प्रायोगिक और फील्ड अटैचमेंट गतिविधियों को आसानी से समायोजित किया जा सकता है। तो सेमेस्टर ब्रेक के दौरान कुछ क्रेडिट घंटों का उपयोग करने की क्या आवश्यकता है?

उत्तर: यदि सेमेस्टर के भीतर ही निर्धारित समयावधि सुनिश्चित कर ली जाए, तो सेमेस्टर अवकाश के दौरान कार्य करने की आवश्यकता नहीं होगी।

19. एमएड में सेमेस्टर ब्रेक के दौरान अध्यापक शिक्षा संस्थानों में इंटर्नशिप संचालित करने का सुझाव दिया गया है। लेकिन सेमेस्टर ब्रेक के दौरान अध्यापक शिक्षा संस्थान काम नहीं कर रहे होंगे या छात्र-शिक्षक उपलब्ध नहीं होंगे। इसलिए, यदि सेमेस्टर ब्रेक से हटकर इंटर्नशिप संचालित की जाती है, तो क्या इसका पाठ्यचर्या की रूपरेखा से विचलन होगा?

उत्तर: संबंधित टीईआई को इंटर्नशिप के लिए उपलब्ध समय अवधि को ध्यान में रखते हुए ऐसे समायोजन करने की स्वतंत्रता है।

20. क्या पीजीटी बनने के इच्छुक अभ्यर्थी दूसरा शैक्षणिक विषय ले सकते हैं?

उत्तर: यदि वे चाहें तो दूसरा विषय चुन सकते हैं और यदि वह विषय अध्यापक शिक्षा संस्थान में उपलब्ध है।

21. ऐसा प्रतीत होता है कि अध्यापक शिक्षा-पाठ्यचर्या की रूपरेखा में मूल्यांकन एवं आकलन के पहलुओं की उपेक्षा की गई है। रूपरेखा में इसके संबंध में निश्चित निदेश होने चाहिए।

उत्तर: इन पहलुओं की उपेक्षा नहीं की जाती है। लेकिन संबद्धता प्रदान करने वाले निकाय इन पहलुओं को और सुदृढ़ करने के लिए स्वतंत्र हैं।

22. अध्यापक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) के विभिन्न पहलुओं पर अध्यापक-प्रशिक्षकों के लिए उन्मुखीकरण का प्रावधान करने की आवश्यकता है। एनसीटीई इसके लिए किस तरह की योजना बना रहा है?

उत्तर: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सहयोग से एनसीटीई पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों की श्रृंखला की योजना बना रहा है। इन्हें चरणबद्ध रूप से अकादमिक स्टाफ कॉलेजों में शुरु किया जाएगा।

23. तीन वर्षीय एकीकृत बीएड एवं एमएड कार्यक्रम से संबंधित पाठ्यचर्या की रूपरेखा की आवश्यकता है।

उत्तर: 3 वर्षीय एकीकृत बीएड और एमएड कार्यक्रम के संबंध में पाठ्यक्रम की रूपरेखा विकसित की जा रही है। इसे जल्द ही एनसीटीई की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

24. भौतिक विज्ञान और प्राकृतिक विज्ञान के शिक्षण को विज्ञान के शिक्षण के अंतर्गत रखा गया है। जबकि अधिकांश राज्यों में ये दो अलग-अलग विषय हैं, इसलिए इन्हें अलग-अलग रखने की आवश्यकता है, जैसेकि बीएड (माध्यमिक) स्तर पर भौतिक विज्ञान का शिक्षण और प्राकृतिक विज्ञान का शिक्षण।

उत्तर: इस संबंध में विभिन्न विश्वविद्यालयों के अलग-अलग पैटर्न हैं। इस मुद्दे पर उन्हें निर्णय लेना होगा।